नामांक Roll No.

No. of Questions – **3**

No. of Printed Pages – **8** **SS-34-1-T.W. (Hindi) (Supp.)**

हिन्दी टंकण लिपि

(TYPEWRITING HINDI)

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2020

समय : 1 घण्टा

पूर्णांक : 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) प्रत्येक कागज के एक तरफ टंकण करें ।

(3) प्रत्येक प्रश्न को नये पृष्ठ से आरम्भ करना है ।

(4) प्रत्येक लाइन के बीच में द्विगुणित अवकाश (Double Spacing) देकर टंकण करना है ।

(5) प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक सजावट के निर्धारित है ।

1. निम्न अवतरण को टंकित कीजिए :

अंक :	18
सजावट :	02
कुल :	**20**

महिला – सशक्तिकरण

भारतीय समाज तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है । समाज का प्रत्येक अंग उससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता । महिलाओं में भी चेतना का प्रसार हुआ है । वे हर क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए प्रयासरत है । आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनैतिक गतिविधियों में भागीदारी करते हुए महिलाओं ने अपने आपको चारदीवारी के बाहर की दुनिया से जोड़ा है । राजनैतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर महिलाओं के लिए आरक्षण की बात निरन्तर कही जाती रही है । समानता का मतलब अवसरों की समानता से है । महिलाओं के लिए अवसरों को चुनने की स्वतंत्रता के साथ–साथ शिक्षा, रोजगार, परिवार, प्रजनन, व्यवसाय व सामाजिक परिवेश आदि के बारे में निर्णय लेने की आजादी होनी चाहिए । वर्ष 1994 में काहिरा में हुए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पुरुषों एवं महिलाओं की व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति पर विशेष बल दिया गया है । इस नए उपागम के द्वारा महिला–सशक्तिकरण के लक्ष्य को केन्द्र में रखा गया जिससे प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता का उद्देश्य पूरा किया जा सके ।

समानता का तात्पर्य है अवसरों की समानता न कि परिणाम की समानता । यथा महिला एवं पुरुष के लिए शिक्षा, व्यवसाय व रोजगार के समान अवसर उपलब्ध होने चाहिए । हम बालक–

बालिकाओं में भेदभाव करते हैं – जन्म के समय खुशियाँ मनाने में, देखभाल करने में, ईलाज कराने में, शिक्षा देने में, व्यवसाय की शिक्षा देने में, सम्पत्ति का हक देने में, पुनर्विवाह करने में, ममता एवं प्यार में ।

आज अधिक आवश्यकता इस बात की है कि महिलाओं में स्वयं की ताकत के बारे में चेतना जाग्रत करना । महिलाओं के सशक्तिकरण का तात्पर्य महिलाओं को सामाजिक सेवाओं में समान अवसरों की उपलब्धता प्रदान करना, राजनैतिक और आर्थिक नीति निर्धारण एवं निर्णय में भागीदारी देना, समान कार्य के लिए समान वेतन देना, सह–अस्तित्व की भावना का विकास करना, संपत्ति बंटवारे में समानता देना, व्यवसाय चयन में भागीदारी देना । स्वयं को नए रोजगारों से जोड़ने की आजादी देना महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा कुशलता अभिव्यक्त की अधिक क्षमता है; इसलिए पहली प्राथमिकता बालिकाओं को शिक्षा देने की होनी चाहिए ।

सशक्तिकरण के द्वारा समाज के शक्तिहीन तथा कम शक्तिशाली सदस्यों के लिए भेदभाव की समाप्ति, वितरण की असमानता को दूर करना, आदर्शों में आवश्यक संशोधन, संसाधनों पर नियंत्रण, अधीनस्थ की समाप्ति की पूरी प्रक्रिया पूरी करके ऐसे परिणाम प्राप्त करना है जिससे भेदभाव समाप्त हो जाये । इसमें शक्ति सन्तुलन को इस तरह बदला जाए कि सोच में ही परिवर्तन हो जावे ।

महिला सशक्तिकरण प्रक्रिया द्वारा भौतिक संसाधनों जैसे–जमीन, पानी व जंगल । मानवीय संसाधनों यथा–व्यक्ति, व्यक्ति के अंग, व्यक्तियों की कार्यशैली । कौशल संसाधनों यथा ज्ञान व सूचना विचार । वित्तीय संसाधनों जैसे रुपया–पैसा ।

उक्त बातों को पूरा करने के लिए कार्य की योजना में निम्नांकित सुझाव दिए गए हैं –

1. राजनैतिक प्रक्रिया में समरूप प्रतिनिधित्व एवं समान भागीदारी ।

2. शिक्षा एवं कौशल विकास द्वारा महिलाओं की क्षमताओं का विकास

3. सम्पदा अधिकार व उत्तराधिकार में समानता रखना ।

4. महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा एवं उत्पीड़न को दूर करना ।

5. वेतन, लाभांश, प्रशिक्षण व रोजगार संरक्षण दिए जाने में लिंग भेद की समाप्ति करना ।

जनसंख्या एवं विकास पर आयोज्य अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के क्रियान्वयन कार्यक्रमों में बालिकाओं के लिए निम्नांकित उद्देश्य अंकित किए गए हैं –

बालिकाओं के प्रति समस्त भेदभावों को दूर करना, बेटे को प्राथमिकता देने की मान्यताओं के कारण प्रसव पूर्व लिंग जाँच के माध्यम से मादा भ्रूणों की हत्याओं पर रोक लगाना । बालिकाओं की अहमियत, उनके उत्थान एवं स्तर में सुधार हेतु प्रयत्न करना । बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा की सुविधाओं में सुधार तथा विस्तार करना । विवाह की आयु से सम्बन्धित कानूनों को कड़ाई से लागू करना । समुदाय आधारित नीचे के स्तर पर कार्य करने वाले सक्रिय समूह को ताकतवर बनाकर उसका विस्तार करना । नीति-निर्धारण एवं व्यवस्था स्तर पर भी महिलाओं को समता मूलक प्रतिनिधित्व दिया जाना ।

महिला सशक्तिकरण के लिए हमें महिला एवं पुरुष दोनों के व्यवहार एवं अभिवृत्ति में परिवर्तन करना होगा । समाज में समानता का लक्ष्य प्राप्त करने में पुरुषों की महत्वपूर्ण भूमिका है, क्योंकि अभी तक उनका जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रभावशाली वर्चस्व बना हुआ है ।

2. निम्न पत्र को टंकित कीजिए :

अंक :	08
सजावट :	02
कुल :	**10**

<u>भदौरिया एण्ड कम्पनी</u>

	70 सोलंकी टावर
जी.एस.टी. नं 894	सुजाता मार्ग
फैक्स : 011345032	अलीगढ़
ईमेल : भदौरिया@80	उत्तर प्रदेश
पत्रांक : 67011998	दिनांक : 21-12-2019

प्रिय महोदय,

विषय : मूल्य सूची मंगवाने हेतु ।

आपको यह लिखते हुए अति प्रसन्नता हो रही है कि हमने दो वर्ष पूर्व बड़ी मात्रा में पूँजी विनियोजित कर कपड़े का व्यवसाय शुरू किया था जो निरन्तर प्रगति पर है ।

वर्तमान समय को ध्यान में रखते हुए भांति–भांति के कपड़ों की माँग बढ़ रही है । हम आपसे व्यापारिक सम्बन्ध स्थापित करने के इच्छुक हैं ।

वैसे हमारे पास आप द्वारा भेजी गई कपड़ों की मूल्य सूची कपड़ों के प्रकार अनुसार उपलब्ध है । आधुनिक नवीनतम ग्राहकों की पसंद को देखते हुए प्रतिदिन फैशन में आमूल–चूल परिवर्तन की सम्भावनाएँ बनी रहती हैं । इस स्थिति को मद्देनजर रखते हुए आप द्वारा वर्तमान प्रचलित माल की सूची पिछले दो वर्षों से नहीं भेजी गई हैं तथा न ही नवीनतम माल की उपलब्धता के बारे में हमें जानकारी से अवगत कराया गया है ।

अतः आप हमें अपने द्वारा बेचे जाने वाले कपड़ों के सम्बन्ध में नवीनतम मूल्य सूची भेजने का कष्ट करें । साथ ही अपनी व्यापारिक शर्तों से भी अवगत करावें ।

यदि मूल्य व व्यापारिक शर्तें अनुकूल हुई तो हम आपको एक बड़ी राशि का नवीनतम कपड़ों के क्रय हेतु क्रयादेश देंगे ।

भवदीय

कृष्ण प्रताप

अभिमन्यु

साझेदार

3. निम्न सारणी को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए :

अंक :	08
सजावट :	02
कुल :	**10**

विदेशी व्यापार एक नजर में (प्रतिशत में)

क्र.सं.	देश	आयात		निर्यात	
		1991-92	**2002-03**	**1991-92**	**2002-03**
1	इजरायल	37	29	35	38
2	जापान	22	19	16	21
3	ऑस्ट्रेलिया	09	10	08	07
4	श्रीलंका	05	09	05	06
5	इंग्लैण्ड	22	25	24	17
6	रूस	42	46	26	22
7	म्यांमार	02	2	3	2
8	वियतनाम	01	3	2	3
9	घाना	01	1	1	2
10	केमरून	01	2	1	1

DO NOT WRITE ANYTHING HERE